नेताजी का चश्मा

कहानी का सार / प्रतिपाद्य

यह कहानी कैप्टन नामक व्यक्ति की है। उसका देश की वस्तुओं और महान लोगों के प्रति समर्पण भाव हालदार साहब को भावविभोर कर देता है। कहानी पर विचार-विमर्श किया गया है कि देशभक्ति किसे कहते हैं? क्या मात्र देश पर मर-मिटना ही देशभक्ति है?

कैप्टन एक अपंग व्यक्ति है। वह गरीब भी है। घर-घर जाकर चश्मे बेचता है। नेताजी की मूर्ति की गरिमा को बनाए रखने के लिए अपने एक फ्रेम को उनकी मूर्ति पर लगा देता है। हालदार साहब उसकी इस युक्ति पर हैरान हो जाते हैं। उन्हें प्रसन्नता होती है कि आज भी ऐसे लोग हैं, जो देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन निष्ठापूर्वक निभाते हैं। यह भी देशभक्ति का एक प्रकार है।

कैप्टन की चारित्रिक या स्वभावगत विशेषताएँ

- दक्ष
- शांत
- सरल
- परिश्रमी
- देशभक्त
- समझदार
- कर्तव्यनिष्ठ

हालदार साहब की चारित्रिक या स्वभावगत विशेषताएँ

- चतुर
- जिज्ञासु
- देशभक्त
- विचारशील
- संवेदनशील

पानवाले की चारित्रिक या स्वभावगत विशेषताएँ

- भावुक
- हँसमुख
- देश से विमुख

कहानी का उद्देश्य

- हमें देश के अंदर रहकर अपने देश को स्थायित्व प्रदान करना चाहिए।
- देशप्रेम के लिए प्राण देने की आवश्यकता नहीं है। हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से करना चाहिए।

पाठ से मिलने वाला संदेश / शिक्षाएँ

- इस पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें देश, देश में व्याप्त स्थानों, वस्तुओं, अपनी संस्कृति, धरोहरों, विभूतियों इत्यादि से प्रेम करना चाहिए।